प्रथम अध्याय

''तबले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमी''

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना

1.1. तबला वाद्य की उत्पत्ति

1.1.1. तबला वाद्य की उत्पत्ति के संदर्भ में विद्वानों के विचार

1.1.2. तबले की बनावट

1.1.3. तबला वाद्य का विकास

1.1.4. पखावज और तबला वाद्य की तुलना

1.2. अवनध्द वाद्य

1.2.1. भुमिदुन्दुभी एवं दुन्दुभि

1.2.2. त्रिपुष्कर वाद्य (आलिंग्यक, उर्ध्वक, आंकिक)

1.2.3. पखावज अथवा मृदंग

1.2.4. ढोल

1.2.5. नगाडा

1.2.6. ताशा

1.2.7. सम्बळ

1.2.8. डफ

1.2.9. अवनध्द वाद्यों में तबले का स्थान

1.3. बाज

1.3.1. तबले के प्रमुख बाज

1.3.2. बंद बाज

1.3.3. खुला बाज

1.3.4. घरानों का निर्माण

1.3.4.1. परंपरागत वादन प्रणाली

1.3.4.2. गुरू–शिष्य परंपरा

1.3.4.3. तबले के विभिन्न घरानों का वादनशैलीनुसार विकास

1.3.4.4. दिल्ली घराना–संस्थापक–सिधार खाँ ढाढी

1.3.4.5. अजराडा घराना – संस्थापक – कल्लु खाँ / मिरू खाँ

1.3.4.6. लखनऊ घराना – संस्थापक – मियाँ बक्शु /उ. मोदू खाँ

1.3.4.7. फर्रूखाबाद घराना – संस्थापक– हाजी विलायत अली

1.3.4.8. बनारस घराना – संस्थापक – पं. रामसहाय

1.3.4.9. पंजाब घराना – संस्थापक – लाला भवानीदास

1.4 पाद टिप्पनीयाँ

द्वितीय अध्याय

''स्वतंत्र तबला वादन की विस्तारक्षम रचनाएँ एवं उनका स्वरूप''

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना :

2.1 एकल तबला वादन में विस्तारक्षम रचनाओं का क्रम

2.2. विस्तारक्षम रचना

2.2.1 पेशकार

2.2.2. कायदा

2.2.2.1 पेशकार – कायदा

2.2.2.2. गत – कायदा

2.2.2.3. अनवट कायदा

2.2.2.4. लग्गीनुमा कायदा

2.2.3. रेला

2.2.3.1. गतांग रेला

2.2.3.2. कायदा – रेला

2.2.3.3. रौ

2.2.3.3.1. ठेके की रौ

2.3. अन्य विस्तारक्षम रचनाएँ

2.3.1. लडी

2.3.2. बाँट

2.3.3. लग्गी

2.3.4. चलन

2.4. जाति के आधारपर विस्तारक्षम रचनाएँ

2.4.1. चतुरश्र जाति की रचना

2.4.2. तिस्त्र जाति / डेढ लय जाति की रचना

2.4.3. मिश्र जाति की रचना

2.4.4. खंडजाति की रचना

2.4.5. संकिर्ण जाति की रचना

2.5. त्रितालेत्तर तालों में विस्तारक्षम रचनाओंका स्वरूप

2.6. पूर्व संकल्पित रचनाओं का स्वरूप

2.6.1. उठान

2.6.2. मुखडा

2.6.3. चक्रदार

2.6.4. गत

2.6.5. टुकडा

2.6.6. गत–टुकडा

2.7. पाद टिप्पणीयाँ

तृतीय अध्याय

''विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तार क्रिया''

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना :

3.1. पेशकार विस्तारक्रिया

3.1.1. पेशकार कायदा विस्तार

3.2. कायदा विस्तार

3.2.1. गत–कायदा–विस्तार

3.2.2. अनवट कायदा विस्तार

3.3. रेला विस्तार

3.3.1. कायदा–रेला विस्तार

3.3.2. रौ विस्तार

3.3.3. ठेके की रौ का विस्तार

3.4. लडी विस्तार

3.5. बाँट विस्तार

3.6. लग्गी नाडा विस्तार

3.7. जाति के आधार पर विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

3.7.1. तिश्र जाती कायदा विस्तार

3.7.2. चतुरश्र जाती कायदा विस्तार

3.7.3. खंड जाती कायदा विस्तार

3.7.4. मिश्र जाती कायदा विस्तार

3.7.5. संकिर्ण जाती कायदा विस्तार

3.8. त्रितालेत्तर तालों में विस्तारक्षम रचनाओं का विस्तार

3.8.1. ताल–झपताल में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

3.8.1.1 ताल–झपताल–पेशकार

3.8.1.2 ताल–झपताल–कायदा

3.8.1.3 ताल–झपताल–रेला

3.8.2. ताल–रूपक / आडाचौताल / दीपचंदी

3.8.2.1 ताल–रूपक–पेशकार

3.8.2.2 ताल–रूपक–कायदा

3.8.2.3 ताल–रूपक–रेला

3.8.3. ताल : एकताल

3.8.3.1 ताल–एकताल–पेशकार

3.8.3.2 ताल–एकताल–कायदा

3.8.3.3 ताल–एकताल–रेला

3.8.4. ताल – मत्त ताल

3.8.4.1 ताल–मत्त ताल–पेशकार

3.8.4.2 ताल–मत्त ताल–कायदा

3.8.4.3 ताल–मत्त ताल–रेला

3.8.5. रूद ताल

3.8.5.1 ताल–रूद ताल–पेशकार

3.8.5.2 ताल–रूद ताल–कायदा

3.8.5.3 ताल–रूद ताल–रेला

3.9. पाद टिप्पनियाँ

चतुर्थ अध्याय

''विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रियाः सभी घरानों की दृष्टिकोनसे''

4.1. दिल्ली घराने में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

4.1.1. पेशकार

4.1.2. कायदा

4.1.3. रेला

4.1.4. लडी

4.2. अजराडा घराने में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

4.2.1. पेशकार

4.2.2. कायदा

4.2.3. रेले

4.3. लखनऊ घराने में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

4.3.1. पेशकार

4.3.2. कायदा

4.3.3. रेले

4.4. फर्रूखाबाद घराने में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

4.4.1. पेशकार

4.4.2. कायदा

4.4.3. रेला

4.5. बनारस घराने में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

4.5.1. पेशकार

4.5.2. कायदा

4.5.3. रेला

4.6. पंजाब घराने में विस्तारक्षम रचनाओं की विस्तारक्रिया

4.6.1. पेशकार

4.6.2. कायदा

4.6.3. रेला

4.7. पाद टिप्पनीयाँ

पंचम अध्याय

विस्तारक्षम रचनाओं की तुलना

अनुक्रमणिका

5.1. विस्तारक्षम रचनाओं की तुलना

5.1.1. पेशकार

5.1.2. कायदा

5.1.3. रेला

5.2. तबले के विभिन्न घरानों में विस्तारक्षम रचनाओं के दृष्टिकोनसे तुलनात्मक अध्ययन

5.2.1. दिल्ली और अजराडा घराने का तुलनात्मक अध्ययन

5.2.1.1. पेशकार

5.2.1.2. कायदा

5.2.1.3. रेला

5.2.2. लखनऊ और फर्रूखाबाद घरानों का तुलनात्मक अध्ययन

5.2.2.1. पेशकार

5.2.2.2. कायदा

5.2.2.3. रेला

5.2.3. बनारस और पंजाब घराने का तुलनात्मक अध्ययन

5.2.3.1. पेशकार

5.2.3.2. कायदा

5.2.3.3. रेला

5.3. पाद टिप्पनीयाँ

षष्ट अध्याय

"साथसंगत में विस्तारक्षम रचनाओं का स्थान"

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना :

6.1 साथसंगत के उद्देश्य से तबला वाद्य का निर्माण

6.1.1 साथ और संगत

6.2. शास्त्रीय गायन के साथ तबला संगत

6.2.1 ध्रुपद

6.2.2 खयाल

6.2.3 ठुमरी

6.2.4 होरी

6.2.5 टप्पा

6.3 वाद्यवादन की संगत

6.4 नृत्य की संगत

6.4.1 पेशकार

6.4.2 कायदा

6.4.3 रेला

6.5 आदर्श साथसंगत

6.6 पाद टिप्पनीयाँ